

DPN 5946

Title : जन्त्र मन्त्र सफू JANTRA MANTRA SAPHU

Run. No. 6637

Cat. No.

Micro. No.

Subject *Heru Mantra*

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. / *अलमला निरुद्धि (६)*
new direction

Size in cms. 21 x 8.5

Folios 17

Lines (in a page) 7

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

फणीन्द्ररत्न वज्राचार्य

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Phanindra Ratna vajracarya

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Yantra diagrams

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

अन्तर्यामिनी

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

ॐ कायल इत्यनेन राजन विरक्तं यत्नं अमनयाय कायमद कांखाया अन कां जलि जनयाय इति ॥ ०
 उहै हें किं गय खां कायान ॥ कू म्माय नयल सथं दू न क म न अथ न म काय कयानं थान थ मं गु इ न
 ॥ ० ॥ उहै न हें हें दू ह्या का ॥ धल माला मकु १८ म्म क इ ल अ कयाना म काय व स क ह ॥ ० ॥ उहै व
 उ मा हा नाय नाय हें ॥ धन २१ यय ना कू न १५ ज कू या कू न या कय म ३ ॥ ० ॥ उहै किं किं हें ॥ थ वि ज न
 कू धन २२ का स न इ काय १५ न गु यि ता न स ध लो ग ना कि ॥ ० ॥ न मा सि दि गु ल न म्मा द्वा क नी वि ज का नि
 कान स का नि य द का नि न द २ मं र स कि मा नि म नि म ना न ज म न द ति मे द न स ते हें दू न ह्या का थ म कु ध
 न म द ग हा क २ म द न हा १ ना ख ग यं दू न क म व दू न क म द न हा द न त अ दि न ज न अ म कु इ ना कू न

॥ अथ यथा ॥ यथा ॥

स्वमि न शि यान क इ ना न ह न य क स ल रू क थाल न अ ला य थ न रू ह्या न क लि त अ ला न कं यि त अ न
 ना हा ॥ १८ यु क्म जा न यो ना नि ॥ २२ ह्या ना व न ग नि ध क ॥ १५ क यु का यि न ॥ ॥ हं ह द अ थं य न र नि ज
 थं स नि ज १५ क्म का य न य सि या ॥ १५ क्म य नि क ना ने मि न नि मि न व ग न ल स्या म इ ना स ना ॥ १५ क म गु य
 नि व लं रं कू ह फि न थ यि क ॥ ॥ म्म कू स मि र्वा ना द र वा वि दि का या या क य दि न द या थं रू व २
 धा या म गु या कू य ॥ म्म यि क ता य कू य ॥ यि यान जा या क्म य गु यि त य म य य ॥ हे म ल वं सि न म्म क
 द ना म रू वी नि नि ड ना ॥ य नि स्या य नू वि ः का णा क रू क इ का थ कू क ना ॥ ॥ क्म य गु य र वा द य थ र
 य थ न ज य वि म कं क नि ज श द्द म द य क्म स रू क २ धा य नू यि म इ मा स अ य नि स्या गु य १५ क्म

॥ अथ यथा ॥

[illegible][illegible]

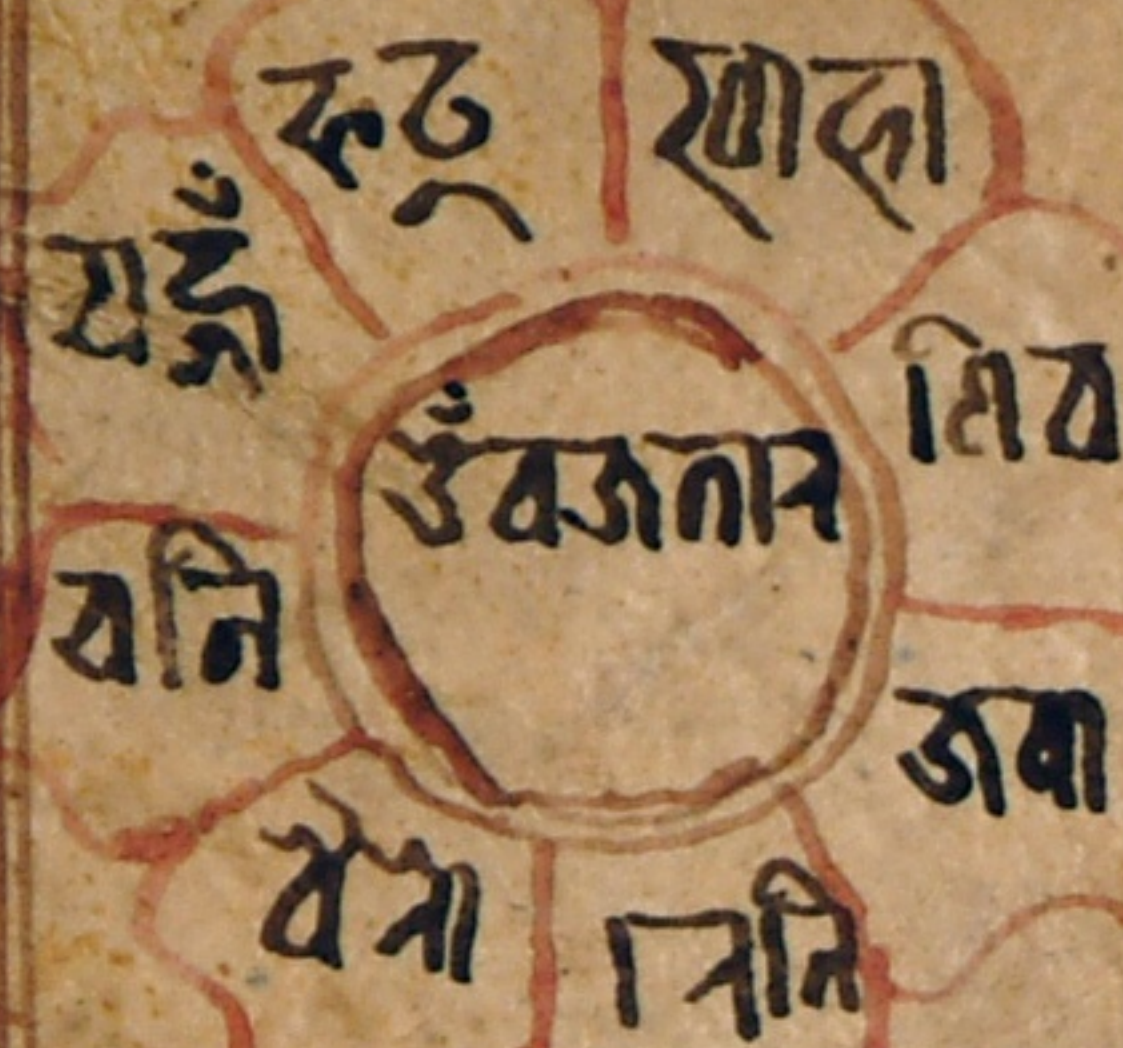
5

रथजविजखाविशनामनप्यादियसनाडाकायसियायाभननायदयाडा नकसनानकसरहदलपन
 कननानकनकिनायलुवनगिरुवनसंयाकायथजवसयाया ० ॥ २४ ॥ मदादययाधनिवायाशिदि
 यमुत्राग्याददिनिवालाता १० स्वधननिपयानिनदिनगदिगुनिनाला जयात्यादयभानना
 १० रवयासनाला जनुवागथकना १० रुनदानना १० शाभलसालनाला १० कयदनगिता १०
 खनययायथसकल्लगननना डामालुद्वयसलपयाययं तुलयानिनसयनया १० सनकनविनरु
 लेनिनसलनवहागलनरवल्ललकपातद्वनरवल्लनयानिनसयनठिगितियालद्वनसलरुयाद्व
 खलनामनसलवगितियाननखल्लयनयायथनकाडाकुयिमककयाध्वनयानयायगनकायगिधि

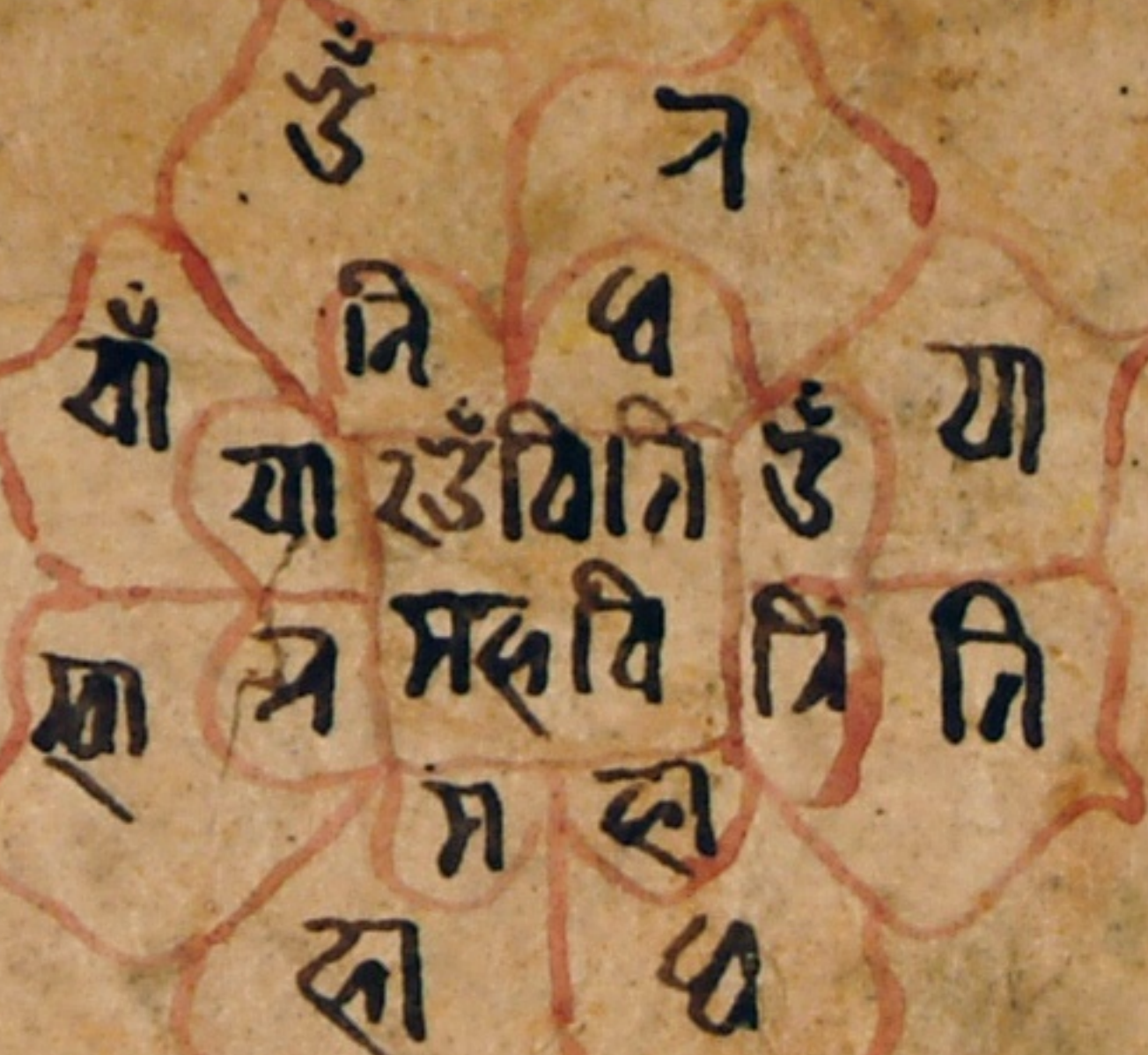
10

5

यथनत्रिसिजलसुदनयाययकयायाद्वसुवनयायासुधनसिनखानद्वसुधनयनसुधनय
 नकाडासिजनना १ वाससाम् १ रुनादनविरवम् १ ॥ यनसिजलकालाडाकुयल्लुयिडाकुल ॥
 नाकालाडाकुयिस्वइकममानडाकुयिडाकुलासग १ ॥ २४ ॥ रजयजामभननाजादानमठाः नारु
 यथयनययनानावथजकडयजामनारंगंगुनसंगडतमः नरुगुयानुलगासहमनयागवयं १
 २३ नमानादसगुनूजिफाकागल्लदसकाकामाछादविनकावस १ ॥ मयनडाडिविनियकरनल
 यकरुयिगाहयकरुनरुसुयकरुनमसुयाविलनासिखयसुजागमदना ॥ मंगदुनकिवाहसु
 ठादनायायसुधकाशनागनकायनगागनकायनकायनयासदियासुधकाशनायानायादि



२५ जं कुः रुद्र जय नमः गनय
नं कुं कुं मः नृप कर्ण न
शांतिः नाना नमः द्वादन नमः माया
मदुयादयः ॥ ॥



२५ जं कुः रुद्र जय नमः गनय
नं कुं कुं मः मेति नमः शांतिः नाना
सद्वादन नमः नृप कर्ण नमः माया
मदुयादयः ॥ ॥



२५ जं कुः रुद्र जय नमः गनय
नं कुं कुं मः गनय नमः शांतिः नाना
सद्वादन नमः नृप कर्ण नमः माया
मदुयादयः ॥ ॥



२५ जं कुः रुद्र जय नमः गनय
नं कुं कुं मः मनेति नमः शांतिः नाना
सद्वादन नमः नृप कर्ण नमः माया
मदुयादयः ॥ ॥



२५ जं कुः रुद्र जय नमः गनय
नं कुं कुं मः शांतिः नाना
सद्वादन नमः नृप कर्ण नमः माया
मदुयादयः ॥ ॥

15



२५३ कुरु जयागु
सग्यमनकुं कुम
ननामिकायादि
यननयाशं डया
नामदयद नाद्रा
नसद्वादनशंसि
सानमिजनवस
यायदुना ॥ ॥



२ थडकु हू जयनस
गवनतः ननाम नायादि
विधिसदयाभारुति
अनया सं सिठानमि
रावसयायथम
नाननसदय
कडून ॥ • ॥

90

10

[illegible]

15

20

0 cms.

5

40

विनतिनठरुमृलिजावाउनाथमकुनक्षत्रनययः रुद्रयानमत्रः इन्द्राननदठणाउगा
 उंरामिसंयउवगतदमूरवांगवंगकेवाजी नमस्यशहा॥ यमकुनक्षत्रजमितायानामदिथदक
 वकंयसा॥ उंरै नालिकिरे नमस्यावायनन रुंमय अरुंयिवाः नमोदिनाजाभादि पुजाभादिः य
 रुनयस्यो नयं दे मादिः नागरु नकि नागभादिमिपि पुनूशहा॥ यमकुनक्षत्रजस्तनः यनहिं चरु १४
 यनयंरुयानाजभादुमादुनिधा॥ उं वज्र यानिषिउविउग्रकादु नउशनइविश्रया॥ ॥ यमंन
 नक्षत्ररु नयजयनयं नानामिहाजननरुपयानयायमरु निश्रयंरुना॥ ॥ उं मूनाइविका
 याउननदिगागनायाः रुद्रजाजिनयास्यरु यधिकयासदिना॥ यमकुनक्षत्ररु नयजयन

डाः फुपकुवकः विठुदि साठवै या नमूखा॥ गला उं नमोदिश्रामनयमनमनदादु सविननरु
 कयवातयः दववाकवाक नरुखि नरुका॥ ॥ यमकुनक्षत्ररु उयकिस्ताननयनयंनकः व
 क्तनरुखयिठाऊना॥ ६०॥ उं मूनायनिजायः रुद्रकस्यपाशमयनखाहा॥ ॥ यमकुनक्षत्र
 रुद्रकसजयनयः सनदासखकयाननः सयशानमछानक॥ ॥ ६१॥ उं विधिगुनूनाग्या॥ कात्रि
 यनाकात्रिनानिनासगतिमनारुकि उरुनादिनरुवायंयनसिधिगुनूनाग्या॥ यमकुनक्षत्र
 इनासथनाउ मकुनक्षत्रययः सगुरयानामदिथनामननरुं जाक्षयासकु याकसा नरुका॥ ६२
 ॥ उं दिगमयंगमकाक कनमिवसिपानिसंखाधि समनियामरु॥ यमकुनक्षत्ररु मकुनिजयनयंनन

[illegible]

अथ यं ह्येतत्सर्वं न मनसो न दयैकं न च ॥ उगाँ उँ आँ जेँ दँ ना न ना यँ दँ स्वाहा ॥ अथ मन्त्रः ॥ १०० ॥
जायमाना उखाक इह स्यात्तज्जि उखा रडा उँ न मा गु न्ना ग्या उँ न सं द्युं सु न व य य वि ज सि
धि च जयनादि हँ रु ट स्वाहा ॥ अथ मन्त्रः ॥ अथ नं रं व जयनयं ता न म य न वि ह्न न या न वि ह्न न ना रू उ
अना रू उँ का म नू द्य वि न्ना यि सं दिः न न द या रं वि न ना व म ला सा प्रि स ला दा र वि का ज र यान व थ
मा व ध न मा वि व न्ना व वि उ मा द य न कि न पा नं का म नू का मा र वा द वि आ गि नि व सा व द या ॥ अथ मन्त्रः
॥ ३ ॥ व क न जा य या उ न न जा ना जा य ता न गु जा मा न मा हा न सि धि ॥ २ ॥ उँ न म गु न्ना ह्ना सि रि व न रं र
द य क य या नू व द म थ नं रु ज य न सः उँ या ना म य या उ थ ना जा य या या ॥ मुं ॥ कुं ॥ म म वा छि न द
इ ॥ ३ ॥

कज्जुमसराहा॥ अथप्रथियताउजाययाय॥ १०६॥ विद्यायकजिअयंके०१०१॥ यकाधनताम
 अअयानाप्रक्रियनयिरासससयानाअथमकुयनयाअयिरासससतिनेमिहावा नमकुविशज्जुन
 ॥ १०१॥ उंनमात्रादसंगुत्रकावतवनालवतवससांननिवंधतिवानधनवंधरातवात्रेयाययदुन
 १६ ययिनाकनाससविन्यांगरुमाविरकिगुत्रमभुकिरुनमकु०१०१॥ नोआय॥ अथमकु॥ १०१॥ वि
 रुतिनमनवाया॥ ०॥ उंनमात्रादसंगुत्रकावतवनालवतवससांननिवंधतिवानधनवंधरातवात्रेयाययदुन
 मसानाकुत्ररुनमविनिदाकनदिनि१०१॥ सदायसविः०१०१॥ सवतकादकायाएनलायसुवान
 सावजकाकाथजिसमया॥ अथमकु॥ १०६॥ विदनिअयनयं०१०१॥ सदायअध्यानमग्यकाविदनिनक०

काथनविमूनाअयनिअरुजया॥ १०१॥ ०१०१॥ रुनिज्जुनमस्यनायाएनियखलुसमाय॥ १०१॥ ०॥
 रसिधिगुत्ररु॥ नतानाहिसंखमाननजाया॥ अति०१०१॥ तात्राशकेतकिसानरुल्लि०१०१॥ जयनिशु
 नदुनछि०१०१॥ कोइइयातिदुनछि०१०१॥ अन्तखमनयाअयकवयालदि०१०१॥ नदिन०१०१॥ नकाअकाया
 अयवात्रिलिमानकयतिदायववालिमि०१०१॥ अन्तखमनयाअयकवयालदि०१०१॥ नदिन०१०१॥ नकाअकाया
 अयवात्रिलिमानकयतिदायववालिमि०१०१॥ अन्तखमनयाअयकवयालदि०१०१॥ नदिन०१०१॥ नकाअकाया
 अयवात्रिलिमानकयतिदायववालिमि०१०१॥ अन्तखमनयाअयकवयालदि०१०१॥ नदिन०१०१॥ नकाअकाया
 अयवात्रिलिमानकयतिदायववालिमि०१०१॥ अन्तखमनयाअयकवयालदि०१०१॥ नदिन०१०१॥ नकाअकाया
 अयवात्रिलिमानकयतिदायववालिमि०१०१॥ अन्तखमनयाअयकवयालदि०१०१॥ नदिन०१०१॥ नकाअकाया
 अयवात्रिलिमानकयतिदायववालिमि०१०१॥ अन्तखमनयाअयकवयालदि०१०१॥ नदिन०१०१॥ नकाअकाया

5

११

नया अंशं कृत्वा सल्लयगुनिका अनायं नया शस्रविनयना अंशं सल्लयगुनिका यदु
 ल॥ ११॥ निल्लयगुनिका यागुनश्ल॥ शु॥ ॥ ननायकु मालना सकुनिराफिरुलन
 हाः थयानादयाहा थनयनयादः लंः अनामानकपनिका सस्यशक्रदककोर्यः थननय
 यः थलथयुष्टयादयनी अ॥ नयासथनसहागकुनयायकउथहिनि अंश॥ शु॥ ॥ ११

११

5

5

दुःअसलनाक केनया अंशं दिसं नदिन १ अतिगय अंशं इयखा ४॥ सिजल वनताला १०
 कानयाहा सदिशं नदिन दथकाया अः अरनिम १० निल्लयनि वंरुवहा यलपुः नर्वक
 लाहाः लाहाः सदागुंनहाः थनसलगायादु सिजल नायक काला अंशं अदकाल लुयायड
 बाह्ययागनयथ अंशं ना अस्यानयाय डिअखा ॥ अंशं सिज वनयाया अंशं अदु वसया निहाले
 खनसंकायक थकाया अंशं यकालेया ससिजल अंशं लगयकालेया प्रम १ निल्लयनिम ५ लाहा
 म ५ हाहागम ५ वादकिम ५ दिल्लमल्लहाम ५ थनं अदकाल दा अल इयखा ॥ ५॥ थल
 दायक कगुलिहायक नालवादायक ययागयकालेया हाः प्रः दवः गहं थल्लुल्लं सदावः क

0 cms.

5

10

15

20

कृलियालावडालसादावाः धनं वरुहयावाडाकचकलुडमकुनजाययानाडाः दावाकस्यः र
वाकस्यः कुरुतिननावाकायकडुला ॥ १ ॥ डं कौकौ कौ कौ कौ नमस्यादा ॥ वडमकुथा ॥ धाव
डाडडाया ॥ ० ॥ लिलियनिनाला १ अतलस १० डयाकेखानदावाकनिदातायवसतिनखाडड
निवाधनि १ काडड ॥ धनं वरुहयावडकसदिस्थेनदित १ १ अडाडुला ॥ ८ ॥

३७

१२७

४७. जन्म मन्त्र सप्त

फरागीन्दरतन वजाचार्य